



झारखण्ड

CGL

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC)

भाग - 3

हिंदी एवं अंग्रेजी

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	वर्णमाला	1
2	संधि	5
3	समास	17
4	संज्ञा	27
5	सर्वनाम	29
6	विशेषण	31
7	क्रिया	34
8	कारक	37
9	लिंग	40
10	वचन	45
11	अव्यय एवं अविकारी शब्द	48
12	उपसर्ग	52
13	प्रत्यय	56
14	वर्तनी शुद्धि	61
15	विराम चिन्ह	66
16	विलोम शब्द	69
17	पर्यायवाची शब्द	75
18	वाक्य के एक शब्द	80
19	मुहावरे	88
20	लोकोक्तियाँ	96
21	हिन्दी लेखकों का सामान्य परिचय एवं रचनाएँ	103
22	अपठित गद्यांश	109
23	Noun (संज्ञा)	114

विषयसूची

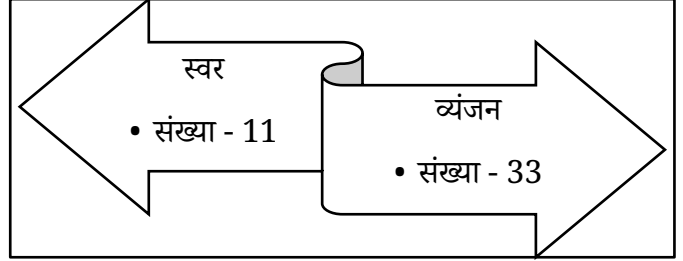
S No.	Chapter Title	Page No.
24	Pronoun (सर्वनाम)	125
25	Adjective (विशेषण)	135
26	Adverb (क्रिया विशेषण)	148
27	The Verb (क्रिया)	157
28	Conjunction (संयोजक)	162
29	Preposition (उपसर्ग)	170
30	Article (लेख)	184
31	Tense (काल)	191
32	Subject-Verb Agreement (कर्ता क्रिया अनुबंध)	198
33	Prefix and Suffix (प्रत्यय एवं उपसर्ग के प्रयोग से शब्द निर्माण)	202
34	Voice (वाच्य)	206
35	Narration (कथन)	213
36	QUESTION TAGS	220
37	Important Synonyms and Antonyms (विलोम और पर्यायवाची शब्द)	223
38	One Word Substitution (एक शब्द प्रतिस्थापन)	231
39	Idioms and Phrases (मुहावरे और वाक्यांश)	236
40	Para Jumbles	244
41	Reading Comprehension (अपठित गद्यांश)	251

1 CHAPTER

वर्णमाला



- किसी भाषा की सबसे छोटी इकाई जिसे छोटे भागों में और न तोड़ा जा सकता हों, ध्वनि कहलाती है, ध्वनि को वर्ण कहा जाता है। **वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला** कहा जाता है।
- हिंदी वर्णमाला में मूलतः कुल 44 वर्ण होते हैं जिन्हें 2 भागों में विभक्त गया है।



क्या आप जानते हैं?

वर्णों को लेकर विद्वान एकमत नहीं हैं। वर्णों की संख्या कहीं 52 तो कहीं 44 मानी गयी है। सरकारी वर्णमाला में इ, ढ, श्र को स्थान नहीं दिया गया है, अतः वहाँ कुल वर्णों की संख्या $53-3 = 49$ ही मानी गयी है।
सर्वमान्य मत - 44 वर्ण हैं। (11 स्वर तथा 33 व्यंजन)



वर्णों का वर्गीकरण

- **श्वास वायु के आधार पर**
 - अनुनासिक** – अनुनासिक वर्णों की ध्वनि में श्वास वायु मुख के साथ नाक से बाहर निकलती है। अनुनासिक वर्णों में चन्द्रबिंदु का प्रयोग किया जाता है। जैसे – अँ, ईँ, प्रत्येक वर्ग का पाँचवाँ वर्ण।
 - अल्प प्राण** – ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय वायु का कम प्रवाह होता है, अल्प प्राण कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का 1, 3 व 5 वाँ वर्ण।
 - महाप्राण** – ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय अधिक वायु का प्रवाह होता है, महाप्राण कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण।
- **स्वर तंत्रों की स्थिति व कम्पन के आधार पर**
 - घोष/सघोष :-** घोष का शाब्दिक अर्थ है नाद या गूँज। जिन वर्णों का उच्चारण करते समय स्वर तंत्र में कंपन (गूँज उत्पन्न होना) होता है, उन्हें घोष वर्ण कहते हैं।
घोष वर्णों की पहचान - सभी वर्णों के अन्तिम तीन वर्ण घोष वर्ण कहलाते हैं। इसके अतिरिक्त सभी स्वर भी घोष वर्ण होते हैं। इनकी कुल संख्या तीस है।
 - अघोष :-** जिन वर्णों के उच्चारण में प्राणवायु में कम्पन नहीं होता अतः कोई गूँज उत्पन्न नहीं होती वे वर्ण अघोष वर्ण कहलाते हैं।
अघोष वर्णों की पहचान - सभी वर्णों के पहले और दूसरे वर्ण अघोष वर्ण होते हैं, इनकी संख्या तेरह है।

स्वर

- ऐसी ध्वनियाँ अथवा वर्ण जिनका उच्चारण करने में अन्य किसी ध्वनि की सहायता की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें स्वर कहते हैं।
- स्वर स्वतंत्र एवं पूर्ण होते हैं। **स्वर 11 होते हैं** - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ऋ।

अ, इ, उ, ऋ
मूल स्वर ← स्वर के प्रकार -2 → संधि स्वर
आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ

- **इन्हें मूलतः 3 भागों में बांटा जा सकता है।**
 - ह्रस्व स्वर** - जिन स्वरों के उच्चारण में अपेक्षाकृत कम समय लगे उन्हें ह्रस्व स्वर कहा जाता है। इन्हें मूल स्वर भी कहा जाता है। जैसे - अ, इ, उ।
 - दीर्घ स्वर** - जिन स्वरों को बोलने में अधिक समय लगे उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। इन्हें मात्रा द्वारा भी दर्शाया जाता है। ये दो स्वरों को मिला कर बनते हैं अतः इन्हें संयुक्त स्वर भी कहा जाता है। जैसे – आ, ई, ऊ।
 - प्लुत स्वर** – जिन स्वरों के उच्चारण में दीर्घ सवा से भी अधिक समय लगता है वे प्लुत स्वर कहलाते हैं।

➤ **जिह्वा के आधार पर स्वर**

- (i) **अग्र स्वर** –स्वर जिसमे जीभ का अग्र भाग प्रयोग में आता है। - इ, ई, ए, ऐ
- (ii) **मध्य स्वर** – जिसमे जीभ का मध्य भाग प्रयोग में आता है। - अ
- (iii) **पश्चस्वर** – जिसमे जीभ का पश्च भाग प्रयोग में आता है। - आ, उ, ऊ, ओ, औ

वर्ण	उच्चारण स्थान
अ, आ	कंठ
इ, ई	तालु
ऋ	मूर्धा
उ, ऊ	ओष्ठ
ए, ऐ	कंठ + तालव्य
ओ, औ	कंठ + ओष्ठ

महत्वपूर्ण तथ्य -

- प्लुत स्वर वर्गीकरण का सर्वप्रथम साक्ष्य पाणिनि की अष्टाध्यायी रचना में मिलता है।
- दीर्घ स्वर को संयुक्त स्वर के नाम से जाना जाता है क्योंकि दीर्घ स्वरों की रचना प्रायः दोनों स्वरों के मिलने से होती है

- सात दीर्घ स्वरों को भी दो भागों समानाक्षर स्वर, संधि स्वर के रूप में विभाजित किया जाता है

समानाक्षर स्वर

- ✓ आ – अ + अ
- ✓ ई – इ + इ
- ✓ ऊ – उ + उ

संधि स्वर

- ✓ ए – अ + इ
- ✓ ऐ – अ + ए
- ✓ औ – अ + ओ

- अंग्रेज़ी से गृहित स्वर – ऑ (डॉक्टर, कॉलेज)

व्यंजन

- स्वरों की सहायता से बोली जाने वाली ध्वनियों को ही व्यंजन कहा जाता है।
- जब हम क बोलते हैं तब उसमें क् + अ मिला होता है। इसी प्रकार प्रत्येक व्यंजन स्वर की सहायता से ही बोला जाता है।
- व्यंजन अस्वतंत्र एवं अपूर्ण होते हैं।
- व्यंजन को **मूलतः 3 भागों** में बांटा जा सकता है।

व्यंजन के मूलतः तीन प्रकार हैं



उच्चारण के आधार पर व्यंजनों को आठ भागों में बांटा गया है है:

1. **स्पर्शी** : ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में फेफड़ों सद्द्वारा छोड़ी गयी वाली हवा वाग्यंत्र के किसी अवयव का स्पर्श करके बाहर निकलती है, स्पर्शी व्यंजन कहलाते हैं। जैसे – क् ख् ग् घ् ङ् ट् ठ ड् ढ् त् थ् ध् प् फ् ब् भ्
2. **संघर्षी** : ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में दो उच्चारण अवयव इतनी निकटता पर आ जाते हैं कि बीच का मार्ग छोटा हो जाता है तब वायु उनसे घर्षण/संघर्ष करती हुई बाहर निकलती है, संघर्षी व्यंजन कहलाते हैं। जैसे - श, ष, स्र, ह, ख, ज, फ्

3. **स्पर्श संघर्षी** : ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में स्पर्श का समय अपेक्षाकृत अधिक होता है और उच्चारण के बाद वाला भाग संघर्षी हो जाता है, वे स्पर्श संघर्षी व्यंजन कहलाते हैं। जैसे - च्, छ, ज्, झ्।
4. **नासिक्य** : जिनके उच्चारण में हवा का प्रमुख अंश नाक से निकलता है। जैसे - ङ्, ज्ञ, ण, न, म्।
5. **पार्श्विक** : जिनके उच्चारण में जिह्वा का अगला भाग मसूड़े को छूता है और वायु पार्श्व आस-पास से निकल जाती है, वे पार्श्विक हैं - जैसे - 'ल्'।

6. **प्रकम्पित** : ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में जिह्वा दो-तीन बार कंपन करती है, वे प्रकम्पित व्यंजन कहलाते हैं। जैसे- 'र'

7. **उत्क्षिप्त** : जिन व्यंजनों के उच्चारण में जिह्वा की नोक झटके से ऊपर उठकर नीचे गिरती है तो वह उत्क्षिप्त ध्वनि कहलाती है। जैसे - ड, ढ

8. **संघर्ष हीन** : जिन ध्वनियों के उच्चारण में हवा बिना किसी संघर्ष या अवरोध के बाहर निकलती है वे संघर्षहीन ध्वनियाँ कहलाती हैं। जैसे-य, व। इनके उच्चारण में स्वरों से मिलता जुलता प्रयत्न करना पड़ता है, इसलिए इन्हें अर्धस्वर भी कहते हैं।

वर्ग	स्पर्श वर्ण					उच्चारण स्थान
क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ	कंठ
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ	तालु
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण	मूर्धा
त वर्ग	त	थ	द	ध	न	दंत
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म	ओष्ठ
प्राण	अल्पप्राण	महाप्राण	अल्पप्राण	महाप्राण	अल्पप्राण	
	अघोष	अघोष	सघोष	सघोष	सघोष	घोष

व्यंजन प्रकार	वर्ण	उच्चारण स्थान
अंतःस्थ व्यंजन	य	तालु
	र	दंत
	ल	दंत
	व	दंत + ओष्ठ
ऊष्म व्यंजन	श	तालु
	ष	मूर्धा
	स	दंत
	ह	कंठ

संयुक्त व्यंजन

➤ हिन्दी में तीन संयुक्त व्यंजन होते हैं। ये दो व्यंजनों के मेल से बने होते हैं।

क्ष = क् + ष्
त्र = त् + र् + अ
ज्ञ = ज् + ज्ञ् + अ
श्र = श् + र् + अ

अयोगवाह

- वे वर्ण जो न तो स्वर होते हैं और न ही व्यंजन होते हैं उन्हें अयोगवाह (अं अः) कहा जाता है।
- अं को अनुस्वार (नाक), अँ को अनुनासिक (नाक मुख) और अः को विसर्ग (कंठ) कहा जाता है।

वर्णों का उच्चारण स्थान

क्र. सं.	वर्ण	उच्चारण स्थान	उच्चारण ध्वनि
1	क वर्ग, अ, आ और विसर्ग	कंठ कोमल तालु	कंठ्य
2	च वर्ग, इ, ई, य, श	तालु	तालव्य
3	ट वर्ग, ऋ, र, ष	मूर्धा	मूर्द्धन्य
4	त वर्ग, लृ, ल, स	दन्त	दन्त्य
5	प वर्ग, उ, ऊ,	ओष्ठ	ओष्ठ्य
6	अ, इ, ज, ण, न्, म्	नासिका	नासिक्य
7	ए ऐ	कंठ तालु	कंठ - तालव्य
8	ओ, औ	कंठ ओष्ठ	कठोष्ठ्य
9	व	दन्त ओष्ठ	दन्तोष्ठ्य
10	ह	स्वर यन्त्र	अलिजिह्वा

महत्वपूर्ण तथ्य -

- हिंदी वर्णमाला में कुछ व्यंजन शब्दों के नीचे नुक्ता (बिंदु) का प्रयोग किया जाता है जिन्हें आगत / गृहीत व्यंजन कहा जाता है।

- आगत व्यंजनों की कुल संख्या 05 होती है
 - क़ – क़रीब
 - ख़ – ख़राब
 - ग़ – ग़म
 - ज़ – ज़रा
 - फ़ – फ़न (अंग्रेज़ी)
- नुक्ता / आगत व्यंजनों का आगमन अरबी/फ़ारसी, अंग्रेज़ी भाषा से हुआ है।
- नुक्ता व्यंजन की शुरुआत का श्रेय हिंदी विद्वान “विप्रसाद सितारे हिन्द” को जाता है।

परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण तथ्य

- हिंदी वर्णमाला में अं (अनुस्वार), अः (विसर्ग) ध्वनियाँ हैं को अयोगवाह वर्ण कहा जाता है क्योंकि इन वर्णों को न तो स्वर में जोड़ा जाता है न ही व्यंजन में
- अनुस्वार (अं) व विसर्ग (अः) को अयोगवाह नाम देने का श्रेय किशोरी दास वाजपेयी को जाता है
- तालु उच्चारण स्थान पर आने वाले वर्णों को कोमल तालव्य व कठोर तालव्य के रूप में दो भागों में विभाजित किया गया है
- वर्त्स वर्णों में न, ल, स को शामिल किया गया है इनकी कुल संख्या 4 होती है
 1. जिह्वा
 2. अधरोष्ठ (नीचे का होठ)
 3. स्वर तंत्रियाँ
 4. कोमल तालु

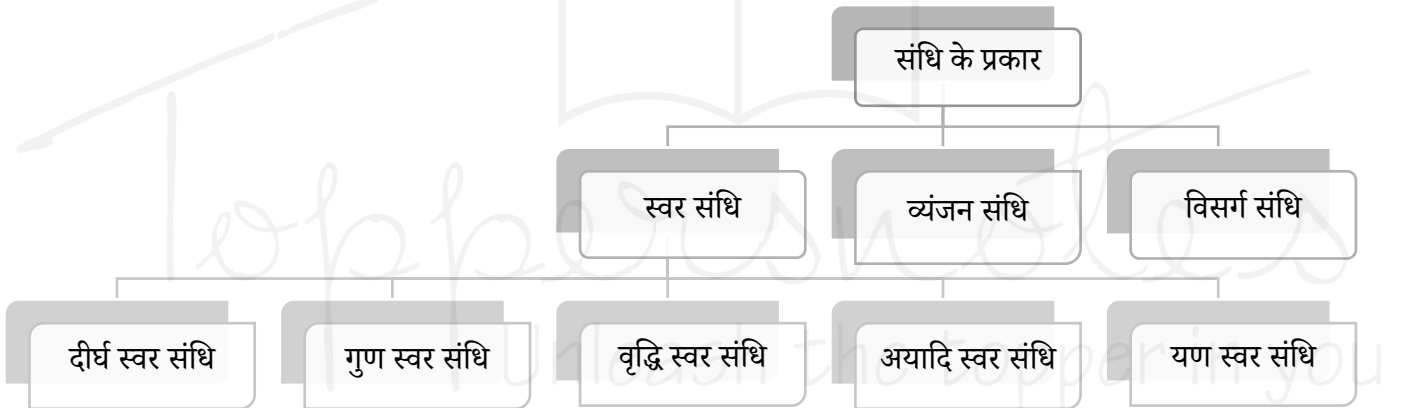
- काकल वर्ण के अंतर्गत विसर्ग (ः) को शामिल किया गया है
- रकार / रेफ या र सम्बंधित नियम
 - (i) **नियम 1:** यदि र के बाद व्यंजन आए तो र को उसी व्यंजन वर्ण के के उपर लिखते हैं अर्थात् जिस व्यंजन वर्ण से पहले र का उच्चारण किया जाता है, र को उसी व्यंजनवर्ण के ऊपर लिखा जाता है जैसे – कर्म, धर्म, स्वर्ग, पुनर्जन्म आदि
 - (ii) **नियम 2:** यदि र से पहले व्यंजन वर्ण आये तो र को उसी व्यंजन वर्ण के मध्य में लिखा जाता है जैसे – प्रकाश, भ्रष्ट, प्रभात, प्रेम, क्रम आदि
- **उत्क्षिप्त वर्ण का नियम**
 - ✓ **नियम 1 :** यदि शब्द की शुरुआत उत्क्षिप्त वर्णों से हो तो लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आती है जैसे – डमरू, ढोलक, डलिया आदि
 - ✓ **नियम 2:** यदि शब्द के अंतर्गत इनसे पहले आधा वर्ण आता है तो भी लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आती है जैसे – पण्डित, बुढ़ा, खण्ड, मण्डल आदि
- नोट – उपर्युक्त दोनों नियमों के अलावा प्रत्येक स्थिति में इनके नीचे बिंदु आती है जैसे – लड़ाई, सड़क, पकड़ना, पढ़ाई आदि



- संधि शब्द का अर्थ है - वर्ण विकार।
- दो वर्णों या ध्वनियों के परस्पर व्यवधान रहित संयोग से होने वाले परिवर्तन (विकार) को **संधि** कहते हैं।

उदाहरण के रूप में → विद्यालय = विद्या + आलय

- अर्थात् **विद्या** शब्द का अंतिम वर्ण में “आ” और **आलय** का प्रारम्भिक वर्ण “आ” के समीप आने पर दो दीर्घ वर्णों के स्थान पर एक “आ” वर्ण रूप में **एकादेश** हो जाता है।
- **श्री किशोरी दास वाजपेयी के अनुसार**, “जब दो या अधिक वर्ण पास-पास आते हैं तो कभी-कभी उनमें रूपांतर हो जाता है। इसी रूपांतर को संधि कहते हैं।”
- दूसरी तरफ, इस परिवर्तन से इन ध्वनियों या वर्णों को पुनः अपने मूल रूप में लाने की प्रक्रिया **संधि-विच्छेद** कहलाती है।
- **उदाहरण स्वरूप -**
 - ✓ **संधि** : महा + ईश = महेश [आ + ई = ए (यही परिवर्तन/विकार है)]
 - ✓ **संधि-विच्छेद**: महेश = महा + ईश (पुनः अपने मूल रूप में)



स्वर संधि

- दो **स्वरो** के **मेल** से उत्पन्न होने वाले विकार या परिवर्तन को **स्वर संधि** कहते हैं।

उदाहरण के लिए - भाव + अर्थ = भावार्थ

- यहाँ 'भाव' शब्द का अंतिम स्वर 'अ' एवं 'अर्थ' शब्द का पहला स्वर 'अ', दोनों स्वरो के) से 'आ' स्वर की उत्पत्ति हुई, जिससे 'भावार्थ' शब्द का निर्माण हुआ। स्वरो के ऐसे मेल को स्वर-संधि कहते हैं।

दीर्घ स्वर संधि :

- दो समान स्वर मिलकर जब दीर्घ स्वर में बदल जाते हैं तो वहाँ **दीर्घ स्वर संधि** होती है।
या
- यदि ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ तथा 'ऋ' स्वरो के पश्चात् ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ या ऋ स्वर आएँ तो दोनों मिलकर क्रमशः आ, ई, ऊ तथा ऋ हो जाते हैं।

उदाहरण :

स्वर	उदाहरण शब्द	संधि से बना नया शब्द
अ + अ = आ	दैत्य + अरि अन्य + अन्य मध्य+अवधि दिवस + अवसान दीप + अवली समान + अधिकार कल्प + अंत स + अवधान मार्त + अण्ड दिन + अन्त सुख + अन्त अन्न + अभाव सह + अनुभूति पर + अधीन उत्तर + अयन अधिक + अंश पाठ + अंतर	दैत्यारी अन्यान्य मध्यावधि दिवसावसान दीपावली समानाधिकार कल्पान्त सावधान मार्तण्ड दिनान्त सुखान्त अन्नाभाव सहानुभूति पराधीन उत्तरायण अधिकांश पाठान्तर
अ + आ = आ	देव + आनन्द पुस्तक + आलय भोजन + आलय देव + आलय न्याय + आलय पत्र + आलय मरण + आसन्न हिम + आलय शिव + आलय	देवानन्द पुस्तकालय भोजनालय देवालय न्यायालय पत्रालय मरणासन्न हिमालय शिवालय
आ + अ = आ	विद्या + अर्थी तथा+अपि महा + अर्णव परीक्षा + अर्थी यथा + अर्थ विद्या + अभ्यास आज्ञा + अनुसार तथा + अस्तु	विद्यार्थी तथापि महार्णव परीक्षार्थी यथार्थ विद्याभ्यास आज्ञानुसार तथास्तु

आ + आ = आ	विद्या + आलय श्रद्धा + आनंद	विद्यालय श्रद्धानंद
इ + इ = ई	कवि + इन्द्र रवि + इंद्र अभि + इष्ट अति + इव	कवीन्द्र रवीन्द्र अभीष्ट अतीव
ई + इ = ई	मही + इन्द्र शची + इंद्र फणी+ इन्द्र सुधी + इन्द्र देवी + इच्छा	महीन्द्र शचींद्र फणीन्द्र सुधीन्द्र देवीच्छा
इ + ई = ई	गिरि + ईश कपि + ईश परि + ईक्षा हरि + ईश मही + ईश	गिरीश कपीश परीक्षा हरीश महीश
ई + ई = ई	रजनी + ईश पृथ्वी + ईश फणी + ईश्वर नारी + ईश्वर	रजनीश पृथ्वीश फणीश्वर नारीश्वर
उ + उ = ऊ	भानु + उदय गुरु + उपदेश सु + उक्ति	भानूदय गुरूपदेश सूक्ति
उ + ऊ = ऊ	वसु + उत्सव अम्बु + ऊर्मि धातु + ऊष्मा	वसूत्सव अंबूर्मि धातूष्मा
ऊ + ऊ = ऊ	भू + ऊर्जा वधू + ऊर्मि भू + ऊर्ध्व	भूर्जा वधूर्मि भूर्ध्व
ऋ + ऋ = ऋ	पितृ + ऋण	पितृण

गुण संधि :

- इस संधि के तहत यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई' की ध्वनि आती है तो वह 'ए' में बदल जाती है, 'उ' या 'ऊ' की ध्वनि आती है तो वह 'ओ' में बदल जाती है तथा 'ऋ' की ध्वनि आती है तो वह 'अर्' में बदल जाती है।
- अ, ए एवं ओ वर्णों को 'गुण' वर्ण कहा जाता है।

उदाहरण :

स्वर	शब्द	नया शब्द (संधि)
अ + इ = ए	देव + इन्द्र	देवेन्द्र
अ + ई = ए	प्र + इषिति	प्रेषिति
आ + इ = ए	प्र + इत	प्रेत
आ + ई = ए	शुभ + इच्छा	शुभेच्छा
	राम + इन्द्र	रमेन्द्र
	गण + ईश	गणेश
	खग + ईश	खगेश
	यथा + इष्ट	यथेष्ट
	राजा + इन्द्र	राजेन्द्र
	रमा + ईश	रमेश
	नर + इन्द्र	नरेन्द्र
	सुर + इंद्र	सुरेन्द्र
	उप + इन्द्र	उपेन्द्र
	जित + इन्द्रिय	जितेन्द्रिय
	परम + ईश्वर	परमेश्वर
	महा + ईश्वर	महेश्वर
	देव + ईश	देवेश
	महा + इन्द्र	महेन्द्र
	नर + ईश	नरेश
	नाग + ईश	नागेश
	भुवन + ईश्वर	भुवनेश्वर
	सुर + ईश	सुरेश
	भारत + इंद्र	भारतेन्द्र
	हृषीक + ईश	हृषीकेश
अ + उ = ओ	वीर + उद्धत	वीरोद्धत
	प्र + उत्साहन	प्रोत्साहन
	पुष्प + उद्यान	पुष्पोद्यान
	प्राप्त + उदक	प्राप्तोदक
	वन + उत्सव	वनोत्सव
	हिम + उपल	हिमोपल
	पूर्ण + उपमा	पूर्णोपमा
	सर्व + उदय	सर्वोदय
	सांग + उपांग	सांगोपांग
	दीप + उत्सव	दीपोत्सव
	सूर्य + उदय	सूर्योदय
	सर्व + उत्तम	सर्वोत्तम
	कर्ण + उद्धार	कर्णोद्धार
	चन्द्र + उदय	चन्द्रोदय
	पर + उपकार	परोपकार

अ + ऊ = ओ	जल + ऊर्मि प्र + ऊढ़ नव + ऊढ़ा अक्ष + ऊहिनी	जलोर्मि प्रौढ़ नवोढ़ा अक्षौहिणी
आ + उ = ओ	महा + उत्सव महा + उदधि यथा + उचित महा + उदय महा + उर्मि	महोत्सव महोदधि यथोचित महोदय महोर्मि
आ + ऊ = ओ	गंगा + ऊर्मि यमुना + ऊर्मि	गंगोर्मि यमुनोर्मि
अ + ऋ = अर्	कपट + ऋषि अधम + ऋण देव + ऋषि राज + ऋषि सप्त + ऋषि	कपटर्षि अधर्मण देवर्षि राजर्षि सप्तर्षि
आ + ऋ = अर्	महा + ऋषि	महर्षि

वृद्धि संधि :

- इस संधि के तहत यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'ए' या 'ऐ' की ध्वनि आती है तो वह 'ऐ' में और यदि 'ओ' या 'औ' की ध्वनि आती है तो वह 'औ' में बदल जाती है।
- आ, ऐ एवं औ वर्णों को 'वृद्धि' वर्ण कहते हैं।

उदाहरण :

संधि	शब्द	नया शब्द (संधि फल)
अ + ए = ऐ	एक + एक जीव + एषणा	एकैक जीवैषणा
अ + ऐ = ऐ	परम + ऐश्वर्य भाव + ऐक्य मत + ऐक्य तत्र + एव विश्व + ऐक्य	परमैश्वर्य भावैक्य मतैक्य तत्रैव विश्वैक्य
आ + ए = ऐ	सदा + एव तथा + एव	सदैव तथैव
आ + ऐ = ऐ	महा + ऐश्वर्य विद्या + ऐश्वर्य	महैश्वर्य विद्यैश्वर्य

अ + ओ = औ	परम + ओज	परमौज
आ + ओ = औ	महा + ओजस्वी महा + औदार्य	महौजस्वी महौदार्य
अ + औ = औ	वन + औषधि	वनौषधि
आ + औ = औ	महा + औषध	महौषध

यण् संधि :

- इस संधि के अंतर्गत यदि 'इ' या 'ई', 'उ' या 'ऊ'
तथा ऋ के बाद कोई भिन्न स्वर आता है तो वे
निम्नानुसार परिवर्तित हो जाते हैं -
✓ इ / ई → य्,
✓ उ / ऊ → व्,
✓ ऋ → र्।
- साथ ही बाद वाले शब्द के पहले स्वर की मात्रा य्, व्, र्
में लग जाती है।
- वि + अव + हार = व्यवहार (इसमें 'अव' मूल शब्द
'वि' उपसर्ग तथा 'हार' प्रत्यय है।)

उदाहरण :

संधि का नियम	संधि-विच्छेद (मूल शब्द)	नया शब्द (संधि- फल)
इ + अ = 'य्'	अति + अधिक यदि + अपि प्रति+अय प्रति + अंग गति + अवरोध अभि + अर्थी वि + अभिचार रीति + अनुसार इति + अर्थ वि + अर्थ अति + अल्प अनु + अय	अत्यधिक यद्यपि प्रत्यय प्रत्यंग गत्यवरोध अभ्यर्थी व्यभिचार रीत्यनुसार इत्यर्थ व्यर्थ अत्यल्प अन्वय

इ + आ = य	इति + आदि वि + आकुल अति + आवश्यक प्रति + आरोपण वि + आयाम अति + आचार	इत्यादि व्याकुल अत्यावश्यक प्रत्यारोपण व्यायाम अत्याचार
ई + अ = 'य्'	नदी + अर्पण देवी + अर्पण देवी + अर्थ	नद्यर्पण देव्यर्पण देव्यर्थ
ई + आ = य	नदी + आगम देवी + आगम सरस्वती + आराधन	नद्यागम देव्यागम सरस्वत्याराधन
इ + उ = यु	अति + उत्तम प्रति + उपकार प्रति + उत्तर अति + उक्ति अति + उत्तम अभि + उदय उपरि + उक्त	अत्युत्तम प्रत्युपकार प्रत्युत्तर अत्युक्ति अत्युत्तम अभ्युदय उपर्युक्त'
ई + उ = यु	सखी + उचित स्त्री + उपयोगी	सख्युचित स्त्र्युपयोगी
इ + ऊ = यू	अति + ऊष्म नि + ऊन	अत्यूष्म न्यून
ई + ऊ = यू	नदी + ऊर्मि	नद्यूर्मि
इ + ए = ये	प्रति + एक देवी + एकता	प्रत्येक देव्येकता
इ + ऐ = यै	देवी + ऐश्वर्य	देव्यैश्वर्य
इ + ओ = यो	दधि + ओदन	दध्योदन
उ + अ = व्	सु + अच्छ सु + अल्प मधु + अरि	स्वच्छ स्वल्प मध्वरि
उ + आ = वा	सु + आगत गुरु + आश्रम	स्वागत गुर्वाश्रम
ऊ + आ = वा	भू + आदि वधू + आगमन	भ्वादि वध्वागमन
उ + ए = वे	अनु + एषण	अन्वेषण

उ + इ = वि	अनु + इति धातु + इक	अन्विति धात्विक
ऊ + इ = वि	वधू + इच्छा	वध्विच्छा
ऋ + अ = र्	पितृ + अनुमति	पित्रनुमति
ऋ + आ = र	पितृ + आज्ञा मातृ + आज्ञा मातृ + आनन्द पितृ + आदेश	पित्राज्ञा मात्राज्ञा मात्रानन्द पित्रादेश
ऋ + इ = रि	मातृ + इच्छा	मात्रिच्छा
ऋ + उ = रु	भ्रातृ + उपकार	भ्रात्रुपकार

उदाहरण :

संधि का नियम	संधि-विच्छेद (मूल शब्द)	नया शब्द (संधि-फल)
ए + अ = अय	ने + अन शे + अन चे + अन	नयन शयन चयन
ऐ + अ = आय	नै + अक गै + अक गै + अन	नायक गायक गायन
ओ + अ = अव	पो + अन	पवन
ओ + इ = अवि	पो + इत्र	पवित्र
औ + अ = आव	पौ + अक श्रौ + अन श्रौ + अक	पावक श्रावण श्रावक
औ + ई = आवि	नौ + इक	नाविक
औ + उ = आवु	भौ + उक	भावुक

अयादि संधि :

- यदि 'ए' या 'ऐ' और 'ओ' या 'औ' के बाद कोई भिन्न स्वर आता है तो निम्न रूप से विकार देखने को मिलता है।
 - ✓ ए → अय् में,
 - ✓ ऐ → आय् में,
 - ✓ ओ → अव्
 - ✓ औ → आव्

व्यंजन संधि

- किसी व्यंजन का किसी अन्य व्यंजन या स्वर के साथ मेल होने पर ध्वनियों में उत्पन्न होने वाले विकार को ही व्यंजन संधि कहते हैं।
- व्यंजन संधि का अन्य नाम (संस्कृत में) - हल् संधि

व्यंजन संधि के कुछ नियम			
संधि का नियम	नियम	संधि-विच्छेद	संधि-फल
1. यदि प्रत्येक वर्ग के पहले वर्ण अर्थात् 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' के बाद किसी वर्ग का तृतीय या चतुर्थ वर्ण आए या य, र, ल, व या कोई स्वर आए तो 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' के स्थान पर अपने ही वर्ग का तीसरा वर्ण अर्थात् 'ग', 'ज', 'ड', 'द', 'ब', हो जाता है।	क् → ग्, च् → ज्, ट् → ड्, त् → द्, प् → ब्	वाक् + ईश वाक् + ईश्वर दिक् + गज दिक् + दर्शन दिक् + अंबर वाक् + दान सत् + वाणी अच् + अंत अप् + इंधन तत् + रूप जगत् + आनंद	वागीश वागीश्वर दिग्गज दिग्दर्शन दिग्ंबर वाग्दान सद्वाणी अजंत अभिंधन तद्रूप जगदानंद

		सत् + भावना षट् + आनन सत् + गति उत् + ज्वल तत् + अनन्तर उत् + गम उत् + योग जगत् + ईश षट्+रिपु कृत् + अंत जगत् + अंबा सत् + धर्म सुप् + अन्त उत् + विग्न सत् + आनन्द अप् + धि दिक् + अन्त तत् + अनुकूल	सद्भावना षडानन सद्गति उज्ज्वल तदनन्तर उद्गम उद्योग जगदीश षड्रिपु कृदन्त जगदम्बा सद्धर्म सुबंत उद्विग्न सदानन्द अब्धि दिगन्त तदनुकूल
2. यदि प्रत्येक वर्ग के पहले वर्ण अर्थात् 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' के बाद 'न' या 'म' आए तो 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' अपने वर्ग के पंचम वर्ण अर्थात् ङ्, ज्, ण्, न्, म् में बदल जाते हैं।	क्→ङ्, च्→ञ्, ट्→ण्, त्→न्, प्→म्	वाक् + मय षट् + मास जगत् + नाथ अप् + मय तत् + मय सत् + मार्ग उत् + नति उत् + नयन दिक् + नाग षट् + मुख सत् + निवेश दिक् + मण्डल विद्दत् + मूर्ति	वाङ्मय षण्मास जगन्नाथ अम्मय तन्मय सन्मार्ग उन्नति उन्नयन दिङ्नाग षण्मुख सन्निवेश दिङ्मण्डल विद्दन्मूर्ति
3. यदि 'म्' के बाद कोई स्पर्श व्यंजन आए तो 'म' जुड़ने वाले वर्ण के वर्ग का पंचम वर्ण या अनुस्वार हो जाता है। (अपवाद- सम् + कृत = संस्कृत सम् + कृति = संस्कृति)	म् → अनुस्वार/पंचम	अहम् + कार किम् + चित् सम् + गम सम् + तोष सम् + चय सम् + मान किम् + कर किम् + नर	अहंकार किंचित् संगम संतोष संचय सम्मान किंकर किन्नर

		सम् + कल्प सम् + पूर्ण पम् + चम अकिम् + चन दिवम् + गत परम् + तु सम् + तप्त सम् + मति अवश्यम् + भावी सम् + शय सम् + विधान	संकल्प संपूर्ण पंचम अकिञ्चन दिवङ्गत परन्तु संतप्त सम्मति अवश्यम्भावी संशय संविधान
4. यदि म् के बाद य, र, ल, व, श, ष, स, ह में से किसी भी वर्ण का मेल हो तो 'म' के स्थान पर अनुस्वार ही लगेगा।	म् → (अनुस्वार)	सम् + योग सम् + रचना सम् + वाद सम् + सार सम् + रक्षण सम् + हार	संयोग संरचना संवाद संसार संरक्षण संहार
5. यदि त् या द् के बाद 'ल', 'ट', 'ड' रहे तो 'त्' या 'द्' क्रमशः 'ल्', 'ट्', 'ड्' में बदल जाता है।	त्/द् + ल → ल्	उत् + लास उद् + लेख तत् + लीन उद् + लाघ उत् + लंघन तडित् + लेखा तत् + टीका	उल्लास उल्लेख तल्लीन उल्लाघ उल्लंघन तडिल्लेखा तट्टीका
6. यदि 'त्' या 'द्' के बाद 'ज' / 'झ' या 'म' हो तो 'त्' या 'द्' क्रमशः 'ज्' या 'न्', में बदल जाता है।	त्/द् → ज्	सत् + जन उद् + झटिका विपत् + जाल जगत् + जीवन शरद् + माला उपनिषद् + मीमांसा जगत् + जननी	सज्जन उज्झटिका विपज्जाल जगज्जीवन शरन्माला उपनिषन्मीमांसा जगज्जननी
7. यदि 'त्' या 'द्' वर्ण के बाद 'श' वर्ण आता है, तो 'त्' या 'द्' का परिवर्तन 'च्' में हो जाता है और 'श' का परिवर्तन 'छ' में हो जाता है।	त्/द् → च् श → छ्	उद् + श्वास उद् + शिष्ट सत् + शास्त्र मृद् + शकटिक विद्युत् + शक्ति तत् + शंकर	उच्छ्वास उच्छिष्ट सच्छास्त्र मृच्छकटिक विद्युच्छक्ति तच्छंकर

8. यदि 'त्' या 'द्' के बाद 'च' या 'छ' हो तो 'त्' या 'द्' का 'च्' हो जाता है।	त्/द् → च्	उत् + चारण सत् + चरित्र वृहत् + चयन उत् + छिन्न सत् + चित सत् + चित् + आनन्द	उच्चारण सच्चरित्र वृहच्चयन उच्छिन्न सच्चित सच्चिदानन्द (नियम=1+8)
9. 'त्' या 'द्' के बाद यदि 'ह' हो तो 'त्' एवं 'द्' के स्थान पर 'दू' और 'ह' के स्थान पर 'ध' हो जाता है।	त्/द् → दू ह → ध	तत् + हित उत् + हार पद् + हति	तद्धित उद्धार पद्धति
10. जब पहले पद के अंत में स्वर हो और आगे के पद का पहला वर्ण 'छ' हो तो 'छ' के स्थान पर 'च्छ' हो जाता है।	छ → च्छ	अनु + छेद परि + छेद आ + छादन संधि + छेद स्व + छंद वृक्ष + छाया श्री + छाया प्र + छन्न लक्ष्मी + छाया मातृ + छाया	अनुच्छेद परिच्छेद आच्छादन संधिच्छेद स्वच्छंद वृक्षच्छाया श्रीच्छाया प्रच्छन्न लक्ष्मीच्छाया मातृच्छाया
11. यदि किसी शब्द के अंत में 'अ' या 'आ' को छोड़कर कोई अन्य स्वर आए एवं दूसरे शब्द के आरंभ में 'स' हो तो 'स' के स्थान पर 'ष' हो जाता है।	स → ष	अभि + सेक वि + सम नि + सिद्ध सु + सुप्ति वि + साद सु + स्मिता	अभिषेक विषम निषिद्ध सुषुप्ति विषाद सुष्मिता
12. ऋ, र, ष के बाद जब कोई स्वर, कोई 'क' वर्गीय या 'प' वर्गीय वर्ण, अनुस्वार अथवा य, व, ह में से कोई वर्ण आए तो अंत में आने वाला 'न', 'ण' हो जाता है।	न → ण	भर् + अन भूष् + अन राम + अयन प्र + मान	भरण भूषण रामायण प्रमाण
13. यदि 'अहन्' शब्द के बाद 'र' आए तो 'अहन्' का 'अहो' हो जाता है	अहन् + र = अहो	अहन् + रात्रि अहन् + रूप	अहोरात्र अहोरूप
14. यदि 'द्' के बाद 'क-ख', 'त-थ', 'प-फ', 'श-ष' आए तो 'द्' अपने ही वर्ग के प्रथम व्यंजन 'त्' में बदल जाता है	द् → त्	तद् + पर सद् + कार उद् + साह	तत्पर सत्कार उत्साह

23 CHAPTER

Noun



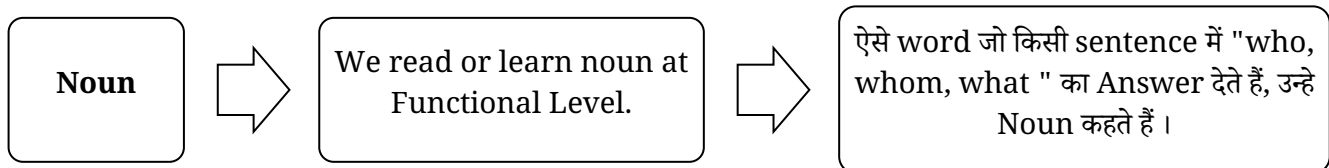
Definition:

➤ **Noun** is the name of Person, Place or things.

Or

➤ A **noun** is a word used as the names of a **person, place, thing, action, quality or condition.**

➤ Everything presents in the world is called a **Noun.**



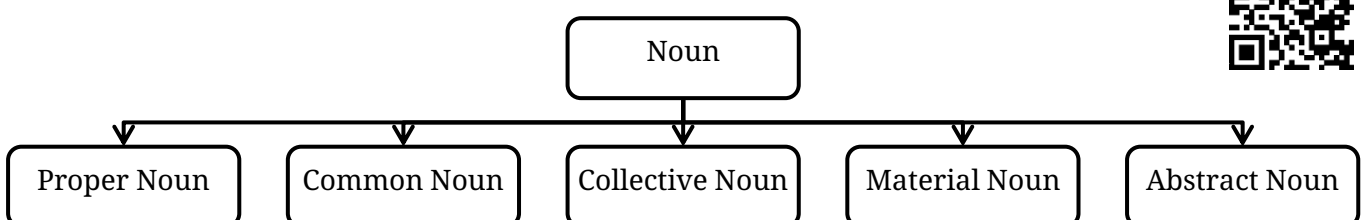
Example:

Example	Explanation
Ram called Reena.	रीना को कौन (who) बुलाता है – तो जवाब आएगा – राम अतः राम यहाँ पर Noun होगा क्योंकि who का जवाब राम हैं। वही पर राम किसे (Whom) बुलाता है तो जवाब आएगा – रीना अतः रीना यहां पर Noun होगा क्योंकि Whom का जवाब रीना हैं।
Time is precious for me.	उसके (Me) के लिए क्या (What) कीमती (Precious) हैं तो जवाब आएगा की समय (Time) अतः what का जवाब time है
Ram and Sita are going to market.	राम और सीता कहाँ (Where) जा रहे हैं तो जवाब आएगा – Market , अतः मार्केट यहाँ पर where का जवाब है where यहाँ पर adverb होगा। परंतु market कौन (who) जा रहा हैं तो जवाब होगा राम और सीता अतः who का जवाब यहाँ पर Ram और Sita हैं जो कि Noun हैं।

Noun को **functional Level** के आधार पर **निम्न तरीके से** बाँटा जाता हैं। या किसी वाक्य में **Noun** की पहचान उसके **functional (कार्यात्मक) रूप के आधार पर** की जाती हैं।



Types of Nouns:



Proper Noun

- The names of a particular or specific person, place or thing are known as proper nouns. (किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु का नाम proper Nouns कहलाता है।)

Rules:

- Proper Noun का पहला Letter हमेशा capital Letter में लिखा जाता है।
- Proper Noun के साथ Article अर्थात “a, an या the” का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Example:

1. **Ram** is my friend.
2. I live in **Jaipur**.
3. He is **Tom**.

Common Noun

- A common noun is a noun referring to a person, place or thing in a general sense. (जिस noun से एक वर्ग अथवा जाति के व्यक्ति या वस्तु का बोध हो उसे **Common Noun** कहते हैं।)

Example:

1. According to the **boy**, the nearest **town** is very far.
2. All the **gardens** in the **neighbourhood** were invaded by **beetles** this **summer**.
3. The road **crew** was startled by the **sight** of three large **cats** crossing the **road**.
4. Dogs are the most adorable and lovable pets to keep.

Rules

- कभी – कभी **Proper Noun** के पहले “**The**” का प्रयोग करके, उसे **Common noun** की तरह प्रयोग करते हैं।
 - ✓ Kalidas is **the Shakespeare** of India.
- कभी – कभी **proper noun** को भी **common Noun** की तरह प्रयोग करते हैं। उस समय **Proper Noun** एक जाति या जाति के किसी व्यक्ति को व्यक्त करता है।
 - ✓ There are five **Ram** in my Class.

- **Proper, Material** और **Abstract Noun** सदैव एक वचन (**Singular**) में होती हैं, परंतु जब इनका प्रयोग बहुवचन (**Plura**) की तरह होता है तो ये **Common Noun** बन जाती हैं।

- ✓ **Simran** is the wife of Shivam. (Proper Noun)
- ✓ All the ladies of India are not a **Simran**. (Common Noun)
- ✓ **Iron** is a hard metal. (Proper Noun)
- ✓ Where are the **irons**? (Common Noun)

Collective Noun

- Collective nouns is the name of a number (or collection) of persons, or things taken together and spoken of as one whole. (जिस Noun से समूह का बोध हो, उसे collective Noun कहते हैं।)

Example:

- ✓ This compartment is reserved for military personnel.
- ✓ The **crew** of sailors was not perturbed by the strong gale.
- ✓ The **crowd** of the migrant workers at the station for the Shramik Special is unforgettable.
- ✓ A **pride** of lions consists of related females, cubs, and a small number of adult males.

Rules

- सामान्यतः **Collective Noun** के साथ **singular verb** का प्रयोग होता है। इनके साथ **plural verb** का प्रयोग तभी करते हैं जब प्रत्येक सदस्य के बारे में बताया जाता है।
 - ✓ The **jury is** deciding the matter. → यहाँ jury एक समूह के रूप में इसलिए singular noun का बोध कराती है अंतः helping Verb, Singular अर्थात is आएगी।
 - ✓ The **Committee meets** every week to discussing important matter. → यहाँ Committee के प्रत्येक सदस्य की बात (Noun of Multitude) कही जा रही है जिसके कारण Committee के साथ Plural Helping Verb आएगी।

Words Related to Collective Noun

1. A **band** of musicians.
2. A **board** of directors, etc.
3. A **bevy** of girls, women, officers etc.
4. A **bunch** of grapes, keys, etc.
5. A **bundle** of sticks and hay.
6. A **caravan** of Merchants, pilgrims, travellers.
7. A **chain/range** of mountains or hills.
8. A **choir** of singers.
9. A **class** of students.
10. A **retinue** of servants/ attendants.
11. A **clump/grove** of trees.
12. A **code** of laws.
13. A **cluster / constellation/ galaxy** of stars.
14. A **company/regiment/army** of soldiers.
15. A **convoy** of ships, cars etc. moving under an escort.
16. A **course** or **series** of lectures.
17. A **crew** of sailors
18. A **crowd/mob** of people.
19. A **curriculum** of studies.
20. A **flight** of steps, stairs.
21. A **fleet** of ships or motorcars.
22. A **flock** of geese, sheep and birds.
23. A **gang** of robbers, labourers.
24. A **garland/bunch/bouquet** of flowers.
25. A **heap** of ruins, sand, stones.
26. A **herd** of cattle.
27. A **litter** of puppies.
28. A **pack** of hounds, cards.
29. A **pair** of shoes, scissors, compasses, trousers.
30. A **series** of events.
31. A **sheaf** of corn, arrows.
32. A **swarm** of ants, bees or flies.
33. A **train** of carriages, followers etc.

34. A **troop** of **horses** (cavalry) scouts; etc.

35. A **volley** of shots, bullets

36. A **forum** of people (discussing issues)

37. A **congregation** of people (discussing religious issues)

Material Noun

➤ A material noun is the name of metal or substance, of which things are made of. (जिस Noun से ऐसे पदार्थ का बोध हो जिससे दूसरी वस्तुएँ बन सके।)

Example: Wood, Silver, Gold, Iron etc.

1. She has purchased a tea set of **silver**.

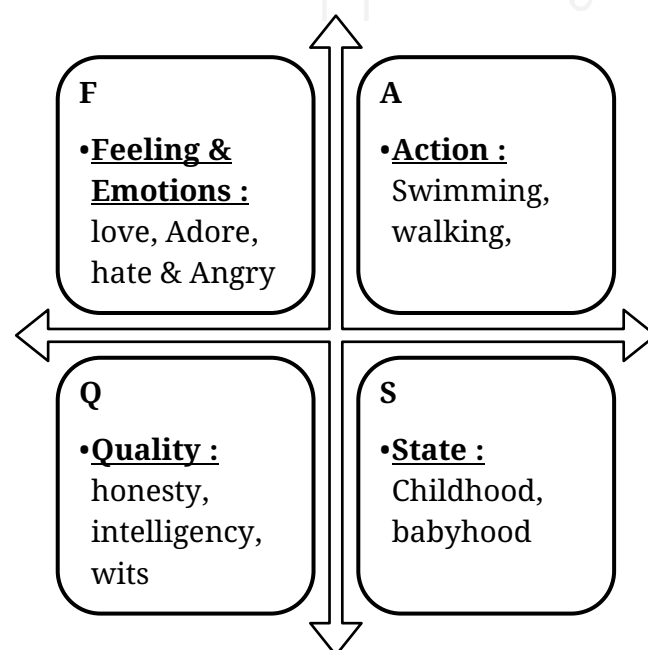
2. He got his furniture made of teak **wood**.

Notes: Material Nouns, **Countable** नहीं होते हैं अर्थात् इन्हे **संख्या में या गिना** नहीं जा सकता है। इन्हे हमेशा **मापा या तौला** जाता है जो **एक समूह** को व्यक्त करता है। इसलिए इनके साथ समान्यतः **Singular verb** का प्रयोग किया जाता है। इनके पहले **Article** का प्रयोग नहीं होता है।

Abstract Noun

➤ Abstract noun in general refers, the name of quality, action or state. (Abstract Noun, ऐसे गुण, भाव, क्रिया एवं अवस्था को व्यक्त करता है जिन्हें छूआ नहीं जा सकता है, देखा नहीं जा सकता है, बल्कि केवल महसूस किया जा सकता है।)

Example: Honesty, Bravery (quality), Hatred, Laughter (action), Poverty, Young (state).



Types	Example
Quality को प्रकट करने वाली Abstract Nouns	greatness, hardness, height, honesty, anger, joy, courage, idleness, softness, strength, sweetness, truth, wisdom.
Action को प्रकट करने वाली Abstract Nouns	growth, discovery, activity, consideration, laughter, meditation, movement, pain, speech, obedience, pleasure, race, theft.
State को प्रकट करने वाली Abstract Nouns	childhood, boyhood, adulthood, cold, death, illness, imprisonment, independence, madness, poverty, sadness, sleep, youth, kindness.
Names of Arts and Science को प्रकट करने वाली Abstract Nouns	Astronomy, Economics, Geometry, Grammar, Music, Chemistry, Spinning and weaving, Wood-craft.

Rules:

- **Word + Suffix = Abstract Noun**
(Suffix - ation/ion/ity/ty/y/th/red/ter/ship/hood/ment/ism/ness)
 - ✓ Honest + y = honesty
 - ✓ Proud = pride
 - ✓ Wide = width
- **Common Noun + Hood = Abstract Noun**
 - ✓ Baby + hood = babyhood
 - ✓ Child + hood = childhood
- **Common Noun + Ship = Abstract Noun**
 - ✓ Friend + ship = friendship
 - ✓ King + ship = kingship
- **Verb + er / or = Abstract Noun**
 - ✓ Teach + er = teacher
 - ✓ Act + or = actor
- **Verb + Ment/ion/tion = Abstract Noun**
 - ✓ Manage + ment = management
 - ✓ Act + ion = Action

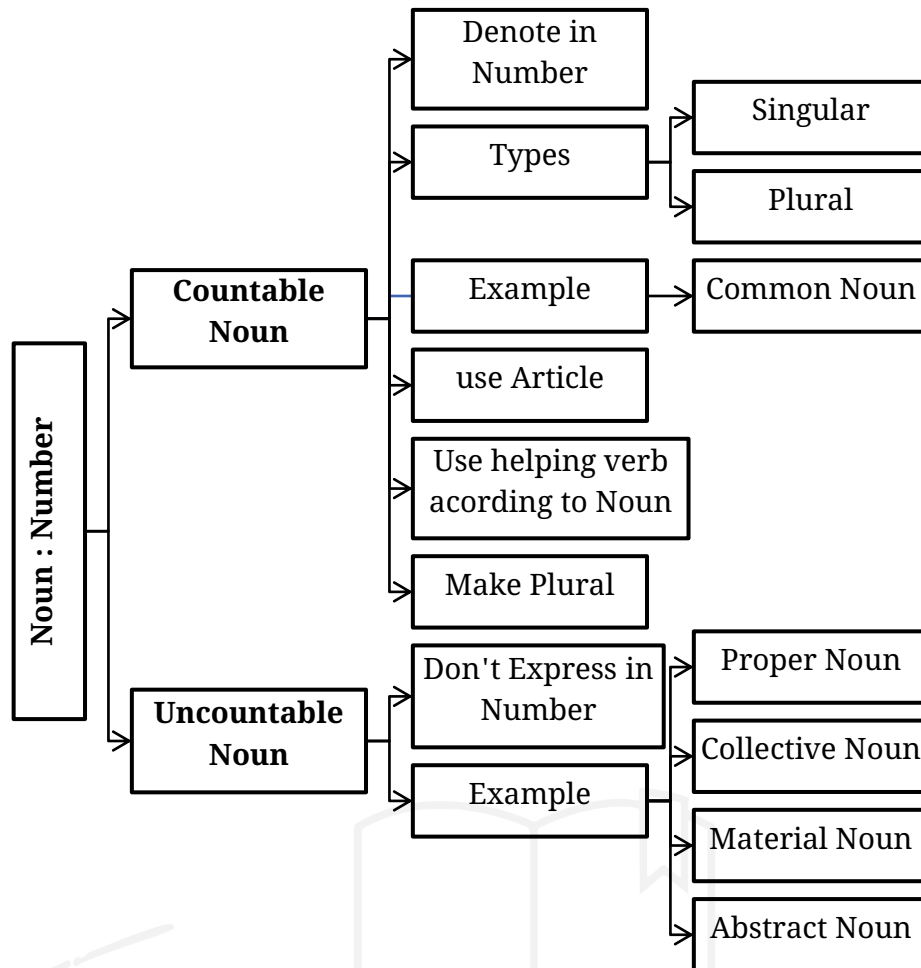
Noun: Number



- **The number** indicates how many **persons or objects** are being referred to.
- The form that indicates **only one** is called **the singular**. (Noun का जो रूप केवल “एक” को व्यक्त करे singular Number कहलाता है।)
- The form that **indicates more than one** is called the **plural**. (Noun का जो रूप “एक से अधिक को व्यक्त” करे plural number कहलाता है।)
- **Countable Noun:** A countable noun is a noun with both a singular and a plural form, and it names anything (or anyone) that one can count.
 - a) Time and technology are two important factors that change substances into resources.
 - b) The man played the flute and led all the mice out of the town.
 - c) The usage of chemicals, insecticides and pesticides began after the Green Revolution.
 - d) The businessman also insisted that the police had issued him several summonses.
- **Uncountable Nouns:** An uncountable noun is a noun which does not have a plural form, and which refers to something that one cannot usually count. A non-countable noun always takes a singular verb in a sentence. uncountable nouns are similar to collective nouns, and are the opposite of countable nouns
 - a) I've got a lot of **homework** this weekend.
 - b) The little boy made much **mischief** in school.

Notes: Some Nouns Are Both Countable and uncountable.

- **Time** is money. (Time यहाँ countable noun है।)
- One should not waste **the time** on trifles. (Time यहाँ uncountable noun है।)



Some important Rules of Nouns

Rule 1: कुछ Nouns का प्रयोग हमेशा Plural form में ही रहता है। इन Nouns के अन्त में लगे 's' को हटाकर, इन्हें Singular नहीं बनाया जा सकता है। ये दिखने में भी Plural लगते हैं, एवं इनका प्रयोग भी Plural की तरह होता है।

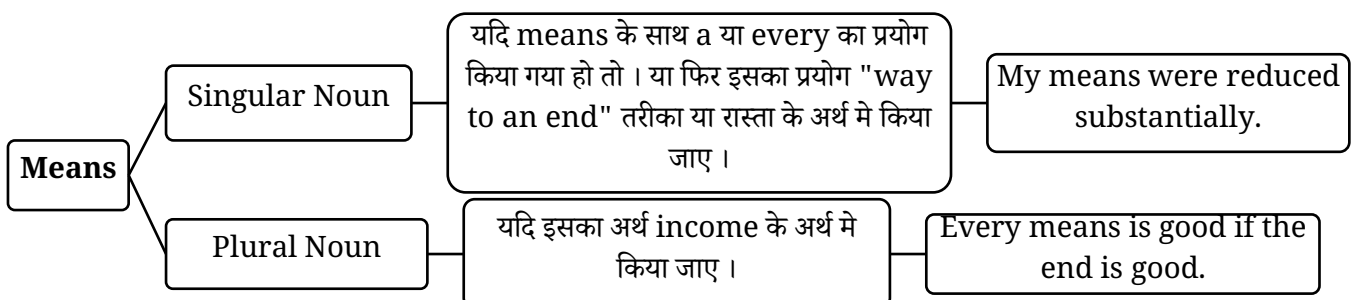
Words : Alms, amends, annals, archives, ashes, arrears, athletics, auspices, caves, species, scissors, trousers, pants, clippers, bellows, gallows, fangs, eyeglasses, goggles, belongings, breeches, bowels, braces, binoculars, customs, congratulations, dregs,

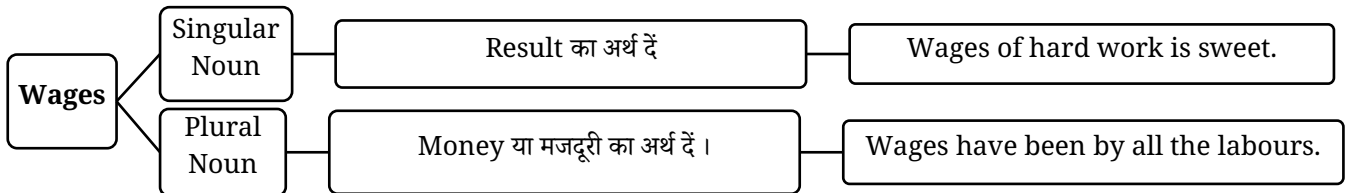
earnings, entrails, embers, fetters, fireworks, lodgings, lees, odds, outskirts, particulars, proceeds, proceedings, regards, riches, remains, savings, shambles, shears, spectacles, surroundings, tidings, troops, tactics, thanks, tongs, vegetables, valuables, wages, Bacteria etc.

Example:

- He hated always to be the bearer of bad tidings.
- Bacteria are single-celled organisms that can reproduce on their own.

Exceptions:





Rule 2: कुछ Nouns दिखने में Plural लगते हैं लेकिन अर्थ में Singular होते हैं। इनका प्रयोग हमेशा Singular में ही होता है।

Words: News, Innings, Politics, Summons, Physics, Economics, Ethics, Mechanics, Mathematics, Mumps, Rickets, Billiards, Draughts, etc.

Example:

- No news is good news.
- Economics is a good subject.
- Draughts is a good game.
- Ethics demands honesty in working.

Rule 3: कुछ Nouns दिखने में Singular लगते हैं। लेकिन इनका प्रयोग हमेशा Plural में होता है।

Words: cattle clergy, cavalry, infantry, poultry, peasantry, children, gentry, police etc.

Example:

- Cattle are grazing in the field.
- Police have arrested the thieves.
- The police finished their investigation.

Notes: 'People' का अर्थ है 'लोग'। 'Peoples' का अर्थ है 'विभिन्न मूलवंश (different races) के लोग'।

Rule 4: कुछ Nouns का प्रयोग, केवल Singular form में ही किया जाता है। ये Uncountable Nouns हैं। इनके साथ Article A/An का प्रयोग भी नहीं किया जाता है।

Words: Scenery, Poetry, Furniture, Advice, Information, Hair, Language, Business, Mischief, Bread, Stationery, Crockery, Luggage, Baggage, Postage, Knowledge, Wastage, Money, Jewellery, Breakage, temper.

Example:

- He loses his temper on the slightest provocation.
- Some passengers misplaced their luggage before boarding the train.

- Mr. Abhilash and his family have received no information about the incident.
- I want to give you information about the missing necklace.

Notes: Money का plural form 'Monies' हो सकता है जिसका अर्थ निकलता है 'sums of money'.
Example: Monies have been collected and handed to the women's welfare society.

Rule 5: कुछ Nouns, Plural एवं Singular दोनों में एक ही रूप में रहते हैं।

Words: deer, fish, crew, family, team, jury, carp, pike, trout, aircraft, counsel etc.

Example:

- The jury is considering its judgement.
- The jury are considering their verdict.
- One fish is there in the pond.
- There are many fish in the pond.

Rule 6: कुछ Nouns जो अर्थ में तो Plural होते हैं, लेकिन यदि इनके पूर्व कोई निश्चित संख्यात्मक विशेषण (Definite numeral adjective) का प्रयोग किया जाता है, तो इन Nouns को Pluralise नहीं किया जाता है।

Words: Pair, score, gross, stone, hundred, dozen, thousand, million, Billion etc.

Example:

- I have two hundred rupees only.
- He has already donated five thousand rupees.
- It is a three feet wall.
- It is five feet in width.

Exceptions: यदि इनके साथ Indefinite countable का प्रयोग हो तो इन्हें Pluralise किया जाता है।

Example: dozens of women, hundreds of people, millions of dollars, scores of shops, many pairs of shoes, thousands millions etc.

Rule 7: यदि किसी Noun के बाद Preposition आता है एवं फिर वही Noun आता है तो वह Noun Singular रहता है।

Example:

- Town after town was devastated.
- Row upon row of pick marble looks beautiful.
- He enquired from door to door.
- Ship after ship is arriving.

Note: इस तरह के वाक्यों में Towns after Towns, Rows upon Rows, doors to doors या ships after ships लिखना गलत है।

Rule 8: किसी वाक्य में Numeral Adjective के बाद a half, या a quarter आता है तो Noun को Numeral Adjective के बाद रखा जाता है। एवं फिर a half या a quarter लिखा जाता है।

Example:

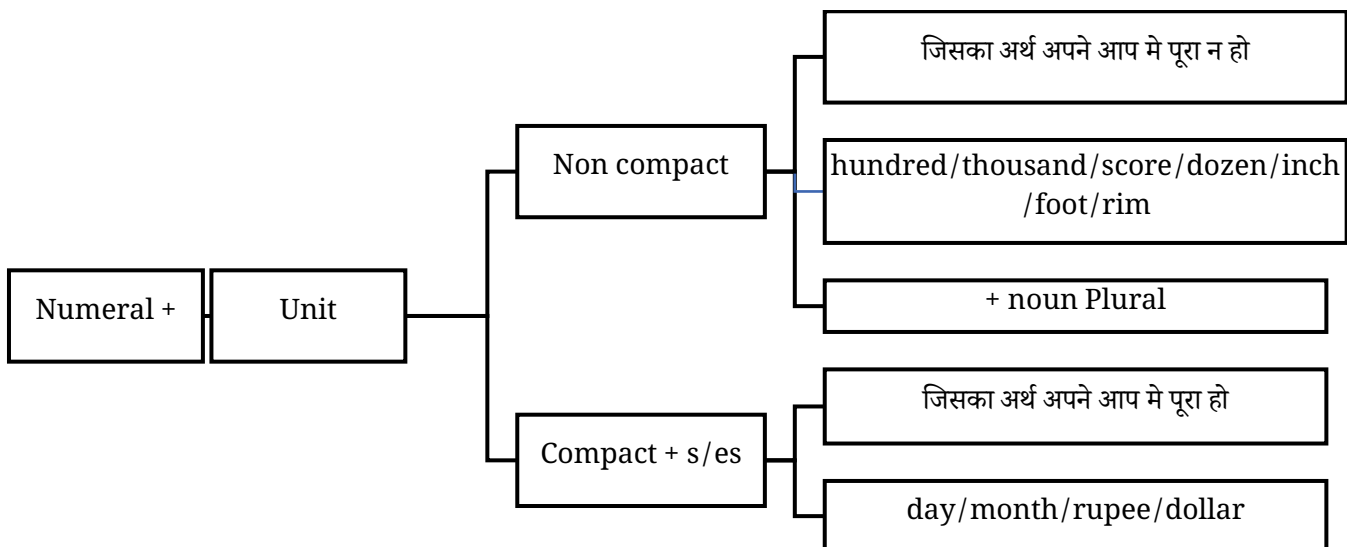
- He gave me one rupee and a half.
- She gave me two rupees and a quarter.

Notes: यदि numeral adjective एवं fraction को and से जोड़ा गया हो एवं वाक्य में multiply के अर्थ में प्रयुक्त हो तो noun का प्रयोग Plural number में a half/ a quarter के बाद होगा।

Example:

- Two and a quarter times.
 - One and a half times.
- यहाँ वाक्य में multiply किया गया है। अतः Noun 'times' Plural में a quarter / a half के बाद प्रयुक्त हुआ है।

Rule 13:



Rule 9: Hyphenated noun का प्रयोग कभी भी plural form में नहीं होता है।

Example:

- He gave me two **hundred-rupee** notes.
- He stays in **five- star** hotels. (stars को star में परिवर्तित करें)

Rule 10: A set of/ a pair of/ a group of / each of/either of/ neither of के साथ Noun plural और helping verb singular उपयोग होती हैं।

Example:

- A set of** proceeds was deposited in bank account.
- A pair of** shocks has bought by Ramesh.
- Each of** Students has solved this Questions.

Rule 11: both of / all of + Noun plural + helping Plural

Example:

- All of** students are thrown out in my class.

Rule 12: Numeral + unit (singular) + Noun (singular)/ adjective

Numeral + unit (Plural) + adjective

Example:

- She saw **a six foot** snake.
- He is **six feet** tall